

19/12/23

पत्रावली पेश हुई 00 मा पुत्राव, उज्व काल म वरर.  
के। पुत्राव/ अन्व काल म दोरे न प्रशर हुं है। अतः पूव  
भाटेशानुसार पत्रावली दिनांक 21/12/23 को पेश हो

21/12/23

पत्रावली पेश हुई सुनील कदी। जसके  
लाजिर कही है। आज न्यायालय में  
तीन-तीन बार आवाजे लगवायी गयी।  
आवाज लगवाये जाने पर भी उपाधित  
कही आये। तबही डेल पर्याप्त अवसर  
दिये जा चुके हैं। पत्रावली लगवना  
बीज वर्ष को लायी है। अतः पत्रावली  
अंतर्गत 0-9, 2-3 एवं 0-9 R-5  
का की के तहत तबनी प्रभाव में एवं  
अदम्य लाजिरी व अस्म केरजी में  
एव दुबारा खारिज की जाती है। पत्रावली  
फैसल सुनार के बाद तबकील दायित्व  
कपतर ही। जिस सुले न्यायालय में  
सुनाया जाकर मेरे लताका न्यायालय  
सुनने जाया किया गया।

उपरखण्ड अधिकारी  
साँभर लेख

